



Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W3CN22930	ImageGroup:	I4CN10394
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	རྩ་ལོ་ཙ་མ་བ་དང་ལྷོ་བྲག་གྲུབ་ཆེན་གྱི་རྣམ་ཐར་ཕྱོགས་བསྒྲུས། rwa lo tsA ba dang lho brag grub chen gyi nam thar phyogs bsdus/
Author:	ཡེ་ཤེས་སེངྒེ ye shes seng+ge
Descriptor:	most of the volumes are woodblock and some short texts are in manuscript.
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[s.l.]
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	1
Total Volumes:	1
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Ave, 5th Floor, Cambridge, Mass. 02138. Comments: 2020

१	११	सविद्ययापदः शिवायै अकलं भवतु नैव सादिगः कालः सविद्य ॥ विद्ययापदः ११ ॥ विद्ययापदः ११ ॥ विद्ययापदः ११ ॥ ॥ विद्ययापदः ११ ॥ विद्ययापदः ११ ॥ विद्ययापदः ११ ॥	१
---	----	--	---

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय





1900

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अथ श्रीकृष्णस्य वचनम् ॥
 अथ श्रीकृष्णस्य वचनम् ॥



—

१००१ । अथानुप्रासः । अथानुप्रासः । अथानुप्रासः ।
अथानुप्रासः । अथानुप्रासः । अथानुप्रासः ।
अथानुप्रासः । अथानुप्रासः । अथानुप्रासः ।
अथानुप्रासः । अथानुप्रासः । अथानुप्रासः ।



1997, 1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 26

[illegible]

[illegible]

...
 ...
 ...
 ...
 ...
 ...
 ...
 ...

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 अर्जुन उवाच ।
 द्रुपदमुनिर्वाक्यं ब्रूयात्तस्मात्तु
 त्वं शृणु मे वदस्व मया श्रुतं यथाविधिम् ।
 कुरुक्षेत्रे संस्थितो ह्यहं पाशपातधरा
 द्रुपदमुनिमुखाय नमस्कृत्य प्रसादिताम् ।
 धर्मज्ञानप्रदायिनीं श्रुत्वा त्वं मुनिवरम् ।
 महाबाहो नमस्कृत्यैव त्वां शिरसाभिवन्द्य ।
 आसीत्तदा त्वमेव मुनिर्ब्रूवाच्चरित्रशुभात् ।
 त्वं हि ज्ञास्यसे सर्वं पापं पुण्यं च भारत ।
 त्वं हि ज्ञास्यसे सर्वं पापं पुण्यं च भारत ।
 त्वं हि ज्ञास्यसे सर्वं पापं पुण्यं च भारत ।

[The text in this image is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring. It appears to be a continuation of the handwritten manuscript from the previous page.]

[The following text is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
काँश्चित्मायां सज्जनपुंगवः ॥ द्रुपदमुपासीत वीर्यवान्
द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
काँश्चित्मायां सज्जनपुंगवः ॥ द्रुपदमुपासीत वीर्यवान्
द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
काँश्चित्मायां सज्जनपुंगवः ॥ द्रुपदमुपासीत वीर्यवान्

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्चनम् ।
 कृष्णं श्यामांशुं चतुर्भुजं ।
 वदन्तः प्रहसन्तः सदा ।
 मया पूजितं त्वत्पद्मं ।
 यत्प्रियं त्वत्पद्मेन मे ।
 दत्तं त्वत्पद्मेन मे ।
 तत्पूजयेत्तु यथाशक्तम् ।
 तदा मुक्तिरश्नुते सा ।
 श्रीकृष्णाय नमः ।

[illegible]

10
 20
 30
 40
 50
 60
 70
 80
 90
 100

[illegible]

104
[The text in this block is extremely faint and illegible, appearing to be a list or a series of short paragraphs.]

1. THE STATE OF TEXAS, COUNTY OF DALLAS

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीभक्तिसहितप्रबोधनसंस्कृत-
 प्रथमाध्याये षष्ठोऽङ्कः ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥
 १ ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैव
 २ ॥ किमकुर्वत संजय ॥ ३ ॥ साधुनाम त्वं प्राज्ञांशुः प्रह्लादादिभिर्भक्त्युपाधि-
 ४ ॥ विभूषितः ॥ ५ ॥ सत्यमेव तेन शब्दैर्यथाशक्तं वक्ष्यामि ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

[The image shows a page from an ancient manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines across the page. Due to the low resolution and blurriness of the scan, the specific words and characters are illegible.]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

॥ अथ श्रीगणेशोपनिषद् ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
अथ श्रीगणेशोपनिषद्व्याख्यानम् ॥
श्रीगणेशोपनिषत्तु श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
अथ श्रीगणेशोपनिषद्व्याख्यानम् ॥
श्रीगणेशोपनिषत्तु श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
अथ श्रीगणेशोपनिषद्व्याख्यानम् ॥
श्रीगणेशोपनिषत्तु श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

108
[The text in this block is extremely faint and illegible, appearing to be a single line of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

॥ १ ॥

॥ २ ॥

॥ ३ ॥

॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

[illegible]

321

322

323

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847. 848. 849. 850. 851. 852. 853. 854. 855. 856. 857. 858. 859. 860. 861. 862. 863. 864. 865. 866. 867. 868. 869. 870. 871. 872. 873. 874. 875. 876. 877. 878. 879. 880. 881. 882. 883. 884. 885. 886. 887. 888. 889. 890. 891. 892. 893. 894. 895. 896. 897. 898. 899. 900. 901. 902. 903. 904. 905. 906. 907. 908. 909. 910. 911. 912. 913. 914. 915. 916. 917. 918. 919. 920. 921. 922. 923. 924. 925. 926. 927. 928. 929. 930. 931. 932. 933. 934. 935. 936. 937. 938. 939. 940. 941. 942. 943. 944. 945. 946. 947. 948. 949. 950. 951. 952. 953. 954. 955. 956. 957. 958. 959. 960. 961. 962. 963. 964. 965. 966. 967. 968. 969. 970. 971. 972. 973. 974. 975. 976. 977. 978. 979. 980. 981. 982. 983. 984. 985. 986. 987. 988. 989. 990. 991. 992. 993. 994. 995. 996. 997. 998. 999. 1000.

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme fading or damage.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...
...

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ अथ श्रीसुब्रह्मचर्यायामष्टांगयोगोक्तं ॥
 ॥ १. शरीरात्मिकायां चित्तवृत्तिसंश्लेषः ॥
 ॥ २. प्राणापानाभ्यामात्मिकप्रवेशः ॥
 ॥ ३. ध्यानस्थितिर्वाक्यार्थसाक्षात्कारः ॥
 ॥ ४. समाधिस्थितिर्वाक्यार्थसाक्षात्कारः ॥
 ॥ ५. योगस्थितिर्वाक्यार्थसाक्षात्कारः ॥
 ॥ ६. मुक्तिस्थितिर्वाक्यार्थसाक्षात्कारः ॥
 ॥ ७. मोक्षस्थितिर्वाक्यार्थसाक्षात्कारः ॥
 ॥ ८. निर्वाणस्थितिर्वाक्यार्थसाक्षात्कारः ॥

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

100
[Faint handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page. The text is mostly illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a list or a series of entries, possibly related to a historical or administrative document.]

[illegible]

17. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847. 848. 849. 850. 851. 852. 8

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीभक्तिसहितप्रबोधनसंस्कृत-
 भाष्ये श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रद्धाध्यायः समाप्तः ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

297
[The text in this block is extremely faint and illegible due to the quality of the scan. It appears to be a single line of text spanning the width of the page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The image shows a page from an ancient manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately ten horizontal lines across the page. Due to significant fading and low resolution, the specific words and phrases are illegible.]

Handwritten text in a historical script, likely Devanagari, arranged in approximately 10 horizontal lines. The text is enclosed within a rectangular border. The script is dense and cursive, characteristic of older Indian manuscripts. The paper shows signs of age, including discoloration and some wear along the edges.

[The following text is extremely faded and illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

一、
 二、
 三、
 四、
 五、
 六、
 七、
 八、
 九、
 十、

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1004
[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to the quality of the scan. It appears to be a single line of handwritten text in a historical script, possibly Tibetan or Sanskrit, enclosed within a rectangular border.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and blurring.]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The image shows a single page from an ancient manuscript, likely Tibetan or Sanskrit. The text is written in a cursive script, possibly Thuluth or similar, and is arranged in horizontal lines across the page. The ink is dark, and the paper appears aged and slightly discolored. There are some faint markings and what might be bleed-through from the reverse side.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुखाय नमः ॥ त्वया प्रोक्तं श्रुत्वा मे
 हृत्तप्तमङ्गुलिः ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव
 कीदृशं करिष्यामहं बभूवुः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीता
 उपनिषद्संहितायां अष्टाध्याये अर्जुनस्य वचनम् ॥

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

101
[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to the quality of the scan. It appears to be a continuous line of handwritten text in a historical script, possibly Tibetan or Sanskrit, spanning the width of the page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

2

[illegible]

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840.

॥ वासुदेवाय नमः ॥ वासुदेवाय नमः ॥ वासुदेवाय नमः ॥ वासुदेवाय नमः ॥ वासुदेवाय नमः ॥ वासुदेवाय नमः ॥ वासुदेवाय नमः ॥

[illegible]

[Faint, illegible handwritten or printed text across the bottom margin.]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

सुखं भवति तदा यत्तद्विषयः । विवेकानन्दनमस्तु नमो नमः । अथ यत्तद्विषयः । अथ यत्तद्विषयः ।

[The following text is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ १ ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे विष्णुपदं रजः । ॥ २ ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे शिवपदं रजः । ॥ ३ ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे ब्रह्मपदं रजः । ॥ ४ ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे अक्षरपदं रजः । ॥ ५ ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे परब्रह्मपदं रजः । ॥ ६ ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे सत्त्वपदं रजः । ॥ ७ ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे रजःपदं रजः । ॥ ८ ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे तामसपदं रजः । ॥ ९ ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे मांसपदं रजः । ॥ १० ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे मूत्रपदं रजः । ॥ ११ ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे पित्तपदं रजः । ॥ १२ ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे श्लेष्मपदं रजः । ॥ १३ ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे कफपदं रजः । ॥ १४ ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे धर्मपदं रजः । ॥ १५ ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे अधर्मपदं रजः । ॥ १६ ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे साधुपदं रजः । ॥ १७ ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे असाधुपदं रजः । ॥ १८ ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे सत्यपदं रजः । ॥ १९ ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे असत्यपदं रजः । ॥ २० ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे दानपदं रजः । ॥ २१ ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे अदानपदं रजः । ॥ २२ ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे व्रतपदं रजः । ॥ २३ ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे अव्रतपदं रजः । ॥ २४ ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे उपवासपदं रजः । ॥ २५ ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे अनुपवासपदं रजः । ॥ २६ ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे जपपदं रजः । ॥ २७ ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे अजपपदं रजः । ॥ २८ ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे हस्तपदं रजः । ॥ २९ ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे अहस्तपदं रजः । ॥ ३० ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे पादपदं रजः । ॥ ३१ ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे अपादपदं रजः । ॥ ३२ ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे मुखपदं रजः । ॥ ३३ ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे अमुखपदं रजः । ॥ ३४ ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे नासिकपदं रजः । ॥ ३५ ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे अन्यानां पदं रजः । ॥ ३६ ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे सर्वेषां पदं रजः । ॥ ३७ ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे सर्वेषां पदं रजः । ॥ ३८ ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे सर्वेषां पदं रजः । ॥ ३९ ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे सर्वेषां पदं रजः । ॥ ४० ॥ देवि सुप्रभं कुरु मे सर्वेषां पदं रजः ।

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

10
20
30
40
50
60
70
80
90
100

381
[The following text is a dense block of handwritten script, likely in a South Asian language, possibly Sanskrit or a related dialect. It is written in a cursive style and spans the main body of the page.]

[The following text is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring. It appears to be handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to low contrast and blurring. It appears to be a continuous passage of handwritten script.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a single column and appears to be in a South Asian script, possibly Devanagari or a related form. The ink is dark, and the paper shows signs of age and wear. The text is enclosed within a rectangular border.

[The text in this image is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring. It appears to be a single line of handwritten script.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this section is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ २ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ३ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ४ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ५ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ६ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ७ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ८ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ९ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।
अधश्च द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ।
माभिमन्युः पश्यीषन्त वीर्यवान् । मामाशङ्कमानं धर्मराजम् ।
उवाच । पाण्डव ! त्वया प्रबोधितः शूरोऽहम् ।
अस्त्रैर्बाणैश्च यद्भवति क्षणेन । तन्न मे दुःखेन सह्यते शूरपुंसक ।
तस्मात्तु त्वमेव हान्तार्यसे । इति धर्मराजः ।
उवाच । पाण्डव ! त्वया प्रबोधितः शूरोऽहम् ।
अस्त्रैर्बाणैश्च यद्भवति क्षणेन । तन्न मे दुःखेन सह्यते शूरपुंसक ।
तस्मात्तु त्वमेव हान्तार्यसे । इति धर्मराजः ।

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादनम् ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां युधिष्ठिर उपाध्याय ॥
कुरुक्षेत्रे समवेता मुनीनां श्रोतुं त्वत्पादोक्तम् ॥ १ ॥
श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥
मां संकाशात्पश्यन्त्रास्माद्रूपं परमौघ्यम् अव्ययम् ॥ २ ॥
अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुराद्युपासीतान् पाण्डुपुत्रसमाग्रम् ॥
सौमित्रैश्च वीर्यवान् पश्यन् महाबाहो नमस्कृत्य च ॥ ३ ॥
श्रीकृष्ण उवाच ॥ पाण्डवस्य ह्यर्जुन सौमित्रस्य वैराग्यवान् ॥
सर्वज्ञस्य चात्मनो मया विदितं तवैवमेव हि मेदिनी ॥ ४ ॥
अर्जुन उवाच ॥ सर्वज्ञस्य तवैवमेव हि मेदिनी ॥
सर्वज्ञस्य तवैवमेव हि मेदिनी ॥ ५ ॥

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 अथ श्रीसुत उवाच ॥ ब्रह्माय नमः ॥ ब्रह्मविद्यायां योगशास्त्रे
 श्रीशिवयोगोक्तम् ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuous passage of Sanskrit or Hindi script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to low contrast and poor scan quality.]

...
...
...
...
...
...
...

12

[The text in this image is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring. It appears to be a single line of handwritten text.]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuous passage of Sanskrit or Indic script.]

[The following text is extremely faint and illegible due to low contrast and poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

120
 121
 122
 123
 124
 125
 126
 127
 128
 129
 130
 131
 132
 133
 134
 135
 136
 137
 138
 139
 140
 141
 142
 143
 144
 145
 146
 147
 148
 149
 150
 151
 152
 153
 154
 155
 156
 157
 158
 159
 160
 161
 162
 163
 164
 165
 166
 167
 168
 169
 170
 171
 172
 173
 174
 175
 176
 177
 178
 179
 180
 181
 182
 183
 184
 185
 186
 187
 188
 189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200
 201
 202
 203
 204
 205
 206
 207
 208
 209
 210
 211
 212
 213
 214
 215
 216
 217
 218
 219
 220
 221
 222
 223
 224
 225
 226
 227
 228
 229
 230
 231
 232
 233
 234
 235
 236
 237
 238
 239
 240
 241
 242
 243
 244
 245
 246
 247
 248
 249
 250
 251
 252
 253
 254
 255
 256
 257
 258
 259
 260
 261
 262
 263
 264
 265
 266
 267
 268
 269
 270
 271
 272
 273
 274
 275
 276
 277
 278
 279
 280
 281
 282
 283
 284
 285
 286
 287
 288
 289
 290
 291
 292
 293
 294
 295
 296
 297
 298
 299
 300
 301
 302
 303
 304
 305
 306
 307
 308
 309
 310
 311
 312
 313
 314
 315
 316
 317
 318
 319
 320
 321
 322
 323
 324
 325
 326
 327
 328
 329
 330
 331
 332
 333
 334
 335
 336
 337
 338
 339
 340
 341
 342
 343
 344
 345
 346
 347
 348
 349
 350
 351
 352
 353
 354
 355
 356
 357
 358
 359
 360
 361
 362
 363
 364
 365
 366
 367
 368
 369
 370
 371
 372
 373
 374
 375
 376
 377
 378
 379
 380
 381
 382
 383
 384
 385
 386
 387
 388
 389
 390
 391
 392
 393
 394
 395
 396
 397
 398
 399
 400
 401
 402
 403
 404
 405
 406
 407
 408
 409
 410
 411
 412
 413
 414
 415
 416
 417
 418
 419
 420
 421
 422
 423
 424
 425
 426
 427
 428
 429
 430
 431
 432
 433
 434
 435
 436
 437
 438
 439
 440
 441
 442
 443
 444
 445
 446
 447
 448
 449
 450
 451
 452
 453
 454
 455
 456
 457
 458
 459
 460
 461
 462
 463
 464
 465
 466
 467
 468
 469
 470
 471
 472
 473
 474
 475
 476
 477
 478
 479
 480
 481
 482
 483
 484
 485
 486
 487
 488
 489
 490
 491
 492
 493
 494
 495
 496
 497
 498
 499
 500
 501
 502
 503
 504
 505
 506
 507
 508
 509
 510
 511
 512
 513
 514
 515
 516
 517
 518
 519
 520
 521
 522
 523
 524
 525
 526
 527
 528
 529
 530
 531
 532
 533
 534
 535
 536
 537
 538
 539
 540
 541
 542
 543
 544
 545
 546
 547
 548
 549
 550
 551
 552
 553
 554
 555
 556
 557
 558
 559
 560
 561
 562
 563
 564
 565
 566
 567
 568
 569
 570
 571
 572
 573
 574
 575
 576
 577
 578
 579
 580
 581
 582
 583
 584
 585
 586
 587
 588
 589
 590
 591
 592
 593
 594
 595
 596
 597
 598
 599
 600
 601
 602
 603
 604
 605
 606
 607
 608
 609
 610
 611
 612
 613
 614
 615
 616
 617
 618
 619
 620
 621
 622
 623
 624
 625
 626
 627
 628
 629
 630
 631

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuous paragraph of handwritten script.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a series of Sanskrit or Tibetan script lines.]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

1
2
3
4
5
6
7
8
9
10
11
12
13
14
15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥
 द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पांडवश्चैतानि महाबाहो नमस्कृत्य ॥
 आचार्यमुपसंगम्य राजा वीरार्जुनसमाबुधः ॥
 संपद्यन्नेतच्छ्रीभगवान्प्रसादाज्ज्ञानसमीपसेविना ॥
 तस्मात्तु मे ब्रूहि परमं मया श्रितं धर्मशालिन ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीता
 उपनिषद्संहितायां अष्टमोऽध्यायः समाप्तः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ २ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ३ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ४ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ५ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ६ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ७ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ८ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ९ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ १० ॥

[The following text is extremely faded and illegible.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि सैन्यानि ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The page contains several lines of handwritten text in Devanagari script, which is mostly illegible due to extreme blurring.]

[illegible]

131

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The image shows a single page from an ancient manuscript, likely a Tibetan Buddhist text. The text is written in a dense, cursive script, characteristic of Tibetan calligraphy. It is organized into approximately 10 horizontal lines. The ink is dark, and the paper appears aged and slightly discolored. There are some faint markings or stains visible on the surface.]

1

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality.]

120
[The text in this block is extremely faint and illegible due to the quality of the scan. It appears to be a continuous block of text in a historical script, possibly Tibetan or Sanskrit, written in a cursive style. The text is organized into several lines within a rectangular frame.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 कुरुक्षेत्रे युधामन्यु उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैतानि
 महाबाहो बलवान्निभः ॥ सौमेन्द्र उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ कुरुक्षेत्रे युधामन्यु उवाच ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैतानि महाबाहो बलवान्निभः ॥
 सौमेन्द्र उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ कुरुक्षेत्रे युधामन्यु उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैतानि महाबाहो बलवान्निभः ॥ सौमेन्द्र उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥ कुरुक्षेत्रे युधामन्यु उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पांडवश्चैतानि महाबाहो बलवान्निभः ॥ सौमेन्द्र उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 कुरुक्षेत्रे युधामन्यु उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः
 पांडवश्चैतानि महाबाहो बलवान्निभः ॥ सौमेन्द्र उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ कुरुक्षेत्रे
 युधामन्यु उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैतानि
 महाबाहो बलवान्निभः ॥ सौमेन्द्र उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ कुरुक्षेत्रे युधामन्यु उवाच ॥

[The text in this image is extremely faint and illegible.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

129
[The text in this block is extremely faint and illegible, appearing to be a single line of handwritten script.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
अर्जुन उवाच । पाशेभ्यः शरीरेषु बद्धोऽस्मि द्रुपदमुनिपुत्र
हस्तैश्चान्नमो विनाशाय कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ।
आत्मनो ह्यात्मनो बन्धवान्बन्धवः कुर्वन्नेति मे संशयः ।
सर्वथा वीर्ययोगेन संपन्नोऽङ्घ्रिमांसे त्वामाबुध्यमानसः ।
सर्वपापेभ्योऽहम्प्राप्तयेनैव तेन ज्ञानेन मोक्षयिष्यसे मया ।
उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ।
मामकां पापमूलां मया मात्सल्यादौ तुष्टोद्यमः ।
सर्वथा वीर्ययोगेन संपन्नोऽङ्घ्रिमांसे त्वामाबुध्यमानसः ।
सर्वपापेभ्योऽहम्प्राप्तयेनैव तेन ज्ञानेन मोक्षयिष्यसे मया ।
उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ।
मामकां पापमूलां मया मात्सल्यादौ तुष्टोद्यमः ।
सर्वथा वीर्ययोगेन संपन्नोऽङ्घ्रिमांसे त्वामाबुध्यमानसः ।
सर्वपापेभ्योऽहम्प्राप्तयेनैव तेन ज्ञानेन मोक्षयिष्यसे मया ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

191

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be handwritten Indic script.]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to low contrast and poor scan quality.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥
 द्रष्टव्यं धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
 मामकाः पांडवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥
 १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥
 ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥
 २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥
 ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥
 ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥
 ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥
 ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥
 ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥
 ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥
 ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blur.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

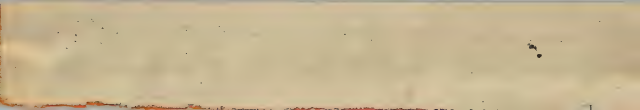
1997

1



[The text in this image is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

~~Handwritten text, mostly illegible due to fading and bleed-through.~~

~~Handwritten text, mostly illegible due to fading and bleed-through.~~

~~Handwritten text, mostly illegible due to fading and bleed-through.~~

232

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

1891

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

သုတေသနပညာတို့ကို အသုံးပြု၍ အခြေခံသုတေသနများကို ပြုလုပ်နိုင်ရန် အားပေးရန် လိုအပ်သည်။
ထို့ပြင် သုတေသနပညာတို့ကို အသုံးပြု၍ အခြေခံသုတေသနများကို ပြုလုပ်နိုင်ရန် အားပေးရန် လိုအပ်သည်။
ထို့ပြင် သုတေသနပညာတို့ကို အသုံးပြု၍ အခြေခံသုတေသနများကို ပြုလုပ်နိုင်ရန် အားပေးရန် လိုအပ်သည်။

THE UNIVERSITY OF CHICAGO PRESS
54 EAST 57TH STREET, NEW YORK, N.Y. 10022
LONDON: 11 BEDFORD SQUARE, W.C.1A 3EF, ENGLAND
DUBLIN: 10 WILKINSON STREET, DUBLIN 2, IRELAND
MILWAUKEE, WIS. 53233, U.S.A.
MUNICH: 40 PRAUNPLATZ, D-80335 MUNICH, GERMANY
PARIS: 10 AVENUE DU MARSEILLAIS, 75012 PARIS, FRANCE
PRINCETON, N.J. 08540, U.S.A.
TORONTO: 100 BAYVIEW AVENUE, TORONTO, ONT. M5S 1A5, CANADA
Vancouver: 100-1000 UNIVERSITY AVENUE, VANCOUVER, B.C. V6T 1C1, CANADA
WILSON JONES BUILDING, 100 UNIVERSITY AVENUE, CAMBRIDGE, MASS. 02138, U.S.A.
WILSON JONES BUILDING, 100 UNIVERSITY AVENUE, CAMBRIDGE, MASS. 02138, U.S.A.

卷之四

[illegible]

200

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

121

[The text in this block is extremely faded and illegible. It appears to be a continuation of the handwritten manuscript from the previous block.]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of the historical or administrative document from the previous page.]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to low contrast and scan quality.]

[The text in this block is extremely faded and illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of the Sanskrit manuscript.]

[illegible]

[The text in this section is extremely faded and illegible.]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

100
 101
 102
 103
 104
 105
 106
 107
 108
 109
 110
 111
 112
 113
 114
 115
 116
 117
 118
 119
 120
 121
 122
 123
 124
 125
 126
 127
 128
 129
 130
 131
 132
 133
 134
 135
 136
 137
 138
 139
 140
 141
 142
 143
 144
 145
 146
 147
 148
 149
 150
 151
 152
 153
 154
 155
 156
 157
 158
 159
 160
 161
 162
 163
 164
 165
 166
 167
 168
 169
 170
 171
 172
 173
 174
 175
 176
 177
 178
 179
 180
 181
 182
 183
 184
 185
 186
 187
 188
 189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200
 201
 202
 203
 204
 205
 206
 207
 208
 209
 210
 211
 212
 213
 214
 215
 216
 217
 218
 219
 220
 221
 222
 223
 224
 225
 226
 227
 228
 229
 230
 231
 232
 233
 234
 235
 236
 237
 238
 239
 240
 241
 242
 243
 244
 245
 246
 247
 248
 249
 250
 251
 252
 253
 254
 255
 256
 257
 258
 259
 260
 261
 262
 263
 264
 265
 266
 267
 268
 269
 270
 271
 272
 273
 274
 275
 276
 277
 278
 279
 280
 281
 282
 283
 284
 285
 286
 287
 288
 289
 290
 291
 292
 293
 294
 295
 296
 297
 298
 299
 300
 301
 302
 303
 304
 305
 306
 307
 308
 309
 310
 311
 312
 313
 314
 315
 316
 317
 318
 319
 320
 321
 322
 323
 324
 325
 326
 327
 328
 329
 330
 331
 332
 333
 334
 335
 336
 337
 338
 339
 340
 341
 342
 343
 344
 345
 346
 347
 348
 349
 350
 351
 352
 353
 354
 355
 356
 357
 358
 359
 360
 361
 362
 363
 364
 365
 366
 367
 368
 369
 370
 371
 372
 373
 374
 375
 376
 377
 378
 379
 380
 381
 382
 383
 384
 385
 386
 387
 388
 389
 390
 391
 392
 393
 394
 395
 396
 397
 398
 399
 400
 401
 402
 403
 404
 405
 406
 407
 408
 409
 410
 411
 412
 413
 414
 415
 416
 417
 418
 419
 420
 421
 422
 423
 424
 425
 426
 427
 428
 429
 430
 431
 432
 433
 434
 435
 436
 437
 438
 439
 440
 441
 442
 443
 444
 445
 446
 447
 448
 449
 450
 451
 452
 453
 454
 455
 456
 457
 458
 459
 460
 461
 462
 463
 464
 465
 466
 467
 468
 469
 470
 471
 472
 473
 474
 475
 476
 477
 478
 479
 480
 481
 482
 483
 484
 485
 486
 487
 488
 489
 490
 491
 492
 493
 494
 495
 496
 497
 498
 499
 500
 501
 502
 503
 504
 505
 506
 507
 508
 509
 510
 511
 512
 513
 514
 515
 516
 517
 518
 519
 520
 521
 522
 523
 524
 525
 526
 527
 528
 529
 530
 531
 532
 533
 534
 535
 536
 537
 538
 539
 540
 541
 542
 543
 544
 545
 546
 547
 548
 549
 550
 551
 552
 553
 554
 555
 556
 557
 558
 559
 560
 561
 562
 563
 564
 565
 566
 567
 568
 569
 570
 571
 572
 573
 574
 575
 576
 577
 578
 579
 580
 581
 582
 583
 584
 585
 586
 587
 588
 589
 590
 591
 592
 593
 594
 595
 596
 597
 598
 599
 600
 601
 602
 603
 604
 605
 606
 607
 608
 609
 610
 611

[The following text is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten or printed script.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

121
[Faint handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page. The text is mostly illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a list or a series of entries, possibly related to a historical or administrative record.]

[illegible]

[illegible]

॥ श्री गुरुदेवार्पणं नमः ॥ श्री गुरुदेवार्पणं नमः ॥ श्री गुरुदेवार्पणं नमः ॥

卷之四

100

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200
201
202
203
204
205
206
207
208
209
210
211
212
213
214
215
216
217
218
219
220
221
222
223
224
225
226
227
228
229
230
231
232
233
234
235
236
237
238
239
240
241
242
243
244
245
246
247
248
249
250
251
252
253
254
255
256
257
258
259
260
261
262
263
264
265
266
267
268
269
270
271
272
273
274
275
276
277
278
279
280
281
282
283
284
285
286
287
288
289
290
291
292
293
294
295
296
297
298
299
300
301
302
303
304
305
306
307
308
309
310
311
312
313
314
315
316
317
318
319
320
321
322
323
324
325
326
327
328
329
330
331
332
333
334
335
336
337
338
339
340
341
342
343
344
345
346
347
348
349
350
351
352
353
354
355
356
357
358
359
360
361
362
363
364
365
366
367
368
369
370
371
372
373
374
375
376
377
378
379
380
381
382
383
384
385
386
387
388
389
390
391
392
393
394
395
396
397
398
399
400
401
402
403
404
405
406
407
408
409
410
411
412
413
414
415
416
417
418
419
420
421
422
423
424
425
426
427
428
429
430
431
432
433
434
435
436
437
438
439
440
441
442
443
444
445
446
447
448
449
450
451
452
453
454
455
456
457
458
459
460
461
462
463
464
465
466
467
468
469
470
471
472
473
474
475
476
477
478
479
480
481
482
483
484
485
486
487
488
489
490
491
492
493
494
495
496
497
498
499
500
501
502
503
504
505
506
507
508
509
510
511
512
513
514
515
516
517
518
519
520
521
522
523
524
525
526
527
528
529
530
531
532
533
534
535
536
537
538
539
540
541
542
543
544
545
546
547
548
549
550
551
552
553
554
555
556
557
558
559
560
561
562
563
564
565
566
567
568
569
570
571
572
573
574
575
576
577
578
579
580
581
582
583
584
585
586
587
588
589
590
591
592
593
594
595
596
597
598
599
600
601
602
603
604
605
606
607
608
609
610
611
612
613
614
615
616
617
618
619
620
621
622
623
624
625
626
627
628
629
630
631
632
633
634
635
636
637
638
639
640
641
642
643
644
645
646
647
648
649
650
651
652
653
654
655
656
657
658
659
660
661
662
663
664
665
666
667
668
669
670
671
672
673
674
675
676
677
678
679
680
681
682
683
684
685
686
687
688
689
690
691
692
693
694
695
696
697
698
699
700
701
702
703
704
705
706
707
708
709
710
711
712
713
714
715
716
717
718
719
720
721
722
723
724
725
726
727
728
729
730
731
732
733
734
735
736
737
738
739
740
741
742
743
744
745
746
747
748
749
750
751
752
753
754
755
756
757
758
759
760
761
762
763
764
765
766
767
768
769
770
771
772
773
774
775
776
777
778
779
780
781
782
783
784
785
786
787
788
789
790
791
792
793
794
795
796
797
798
799
800
801
802
803
804
805
806
807
808
809
810
811
812
813
814
815
816
817
818
819
820
821
822
823
824
825
826
827
828
829
830
831
832
833
834
835
836
837
838
839
840
841
842
843
844
845
846
847
848
849
850
851
852
853
854
855
856
857
858
859
860
861
862
863
864
865
866
867
868
869
870
871
872
873
874
875
876
877
878
879
880
881
882
883
884
885
886
887
888
889
890
891
892
893
894
895
896
897
898
899
900
901
902
903
904
905
906
907
908
909
910
911
912
913
914
915
916
917
918
919
920
921
922
923
924
925
926
927
928
929
930
931
932
933
934
935
936
937
938
939
940
941
942
943
944
945
946
947
948
949
950
951
952
953
954
955
956
957
958
959
960
961
962
963
964
965
966
967
968
969
970
971
972
973
974
975
976
977
978
979
980
981
982
983
984
985
986
987
988
989
990
991
992
993
994
995
996
997
998
999
1000

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten or printed script in Devanagari.]

[illegible]

1091
 1092
 1093
 1094
 1095
 1096
 1097
 1098
 1099
 1100
 1101
 1102
 1103
 1104
 1105
 1106
 1107
 1108
 1109
 1110
 1111
 1112
 1113
 1114
 1115
 1116
 1117
 1118
 1119
 1120
 1121
 1122
 1123
 1124
 1125
 1126
 1127
 1128
 1129
 1130
 1131
 1132
 1133
 1134
 1135
 1136
 1137
 1138
 1139
 1140
 1141
 1142
 1143
 1144
 1145
 1146
 1147
 1148
 1149
 1150
 1151
 1152
 1153
 1154
 1155
 1156
 1157
 1158
 1159
 1160
 1161
 1162
 1163
 1164
 1165
 1166
 1167
 1168
 1169
 1170
 1171
 1172
 1173
 1174
 1175
 1176
 1177
 1178
 1179
 1180
 1181
 1182
 1183
 1184
 1185
 1186
 1187
 1188
 1189
 1190
 1191
 1192
 1193
 1194
 1195
 1196
 1197
 1198
 1199
 1200
 1201
 1202
 1203
 1204
 1205
 1206
 1207
 1208
 1209
 1210
 1211
 1212
 1213
 1214
 1215
 1216
 1217
 1218
 1219
 1220
 1221
 1222
 1223
 1224
 1225
 1226
 1227
 1228
 1229
 1230
 1231
 1232
 1233
 1234
 1235
 1236
 1237
 1238
 1239
 1240
 1241
 1242
 1243
 1244
 1245
 1246
 1247
 1248
 1249
 1250
 1251
 1252
 1253
 1254
 1255
 1256
 1257
 1258
 1259
 1260
 1261
 1262
 1263
 1264
 1265
 1266
 1267
 1268
 1269
 1270
 1271
 1272
 1273
 1274
 1275
 1276
 1277
 1278
 1279
 1280
 1281
 1282
 1283
 1284
 1285
 1286
 1287
 1288
 1289
 1290
 1291
 1292
 1293
 1294
 1295
 1296
 1297
 1298
 1299
 1300
 1301
 1302
 1303
 1304
 1305
 1306
 1307
 1308
 1309
 1310
 1311
 1312
 1313
 1314
 1315
 1316
 1317
 1318
 1319
 1320
 1321
 1322
 1323
 1324
 1325
 1326
 1327
 1328
 1329
 1330
 1331
 1332
 1333
 1334
 1335
 1336
 1337
 1338
 1339
 1340
 1341
 1342
 1343
 1344
 1345
 1346
 1347
 1348
 1349
 1350
 1351
 1352
 1353
 1354
 1355
 1356
 1357
 1358
 1359
 1360
 1361
 1362
 1363
 1364
 1365
 1366
 1367
 1368
 1369
 1370
 1371
 1372
 1373
 1374
 1375
 1376
 1377
 1378
 1379
 1380
 1381
 1382
 1383
 1384
 1385
 1386
 1387
 1388
 1389
 1390
 1391
 1392
 1393
 1394
 1395
 1396
 1397
 1398
 1399
 1400
 1401
 1402
 1403
 1404
 1405
 1406
 1407
 1408
 1409
 1410
 1411
 1412
 1413
 1414
 1415
 1416
 1417
 1418
 1419
 1420
 1421
 1422
 1423
 1424
 1425
 1426
 1427
 1428
 1429
 1430
 1431
 1432
 1433
 1434
 1435
 1436
 1437
 1438
 1439
 1440
 1441
 1442
 1443
 1444
 1445
 1446
 1447
 1448
 1449
 1450
 1451
 1452
 1453
 1454
 1455
 1456
 1457
 1458
 1459
 1460
 1461
 1462
 1463
 1464
 1465
 1466
 1467
 1468
 1469
 1470
 1471
 1472
 1473
 1474
 1475
 1476
 1477
 1478
 1479
 1480
 1481
 1482
 1483
 1484
 1485
 1486
 1487
 1488
 1489
 1490
 1491
 1492
 1493
 1494
 1495
 1496
 1497
 1498
 1499
 1500
 1501
 1502
 1503
 1504
 1505
 1506
 1507
 1508
 1509
 1510
 1511
 1512
 1513
 1514
 1515
 1516
 1517
 1518
 1519
 1520
 1521
 1522
 1523
 1524
 1525
 1526
 1527
 1528
 1529
 1530
 1531
 1532
 1533
 1534
 1535
 1536
 1537
 1538
 1539
 1540
 1541
 1542
 1543
 1544
 1545

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

पुस्तकालय संख्या

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

THE UNIVERSITY OF CHICAGO PRESS

[illegible]

पुस्तक संख्या: ३५६७८९

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सुप्रसन्नचित्तोऽयं भवति तदा तस्मात्प्राप्तमिदं फलं नान्यथा प्राप्तम् ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

5000 1/2 INCHES

पुनर्जीवयति । इदं च धर्मोऽस्मिन् । अथ पुनरुक्तं । अथ पुनरुक्तं । अथ पुनरुक्तं ।

2014年12月15日

1992-1993

[illegible][illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

2000

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

५३।
 १। ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २। अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादनम् ॥ ३। अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां युधिष्ठिर उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैतानि महाबाहो नमस्कृत्य ॥ ४। तान् विलोक्य संजय उवाच ॥ ५। दृष्ट्वैतान् महाबाहो पश्यैषीरुद्राणां ॥ ६। सारथीश्च द्रुपदश्चैव भीमार्जुनसमा ॥ ७। द्रुपद उवाच ॥ गुरुर्वक्त्रेभ्यो ज्ञानं श्रुत्वात्मनश्चरेत् ॥ ८। तस्मात्त्वमिदं विदित्वा त्रायसे ॥ ९। अर्जुन उवाच ॥ महर्षिर्मान्सांश्चाप्यश्विनः ॥ १०। पाण्डवश्चैव त्वां प्रणम्य मया ॥ ११।

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
अर्जुन उवाच । पादौ धूम्रपद्मे पश्येत्पादौ चतुर्भुजे ।
उरध्वं त्रिशूलं शिरसास्त्रं दशदिग्दर्शनम् ।
हस्तौ धनुश्छायां कूर्चमुग्रं वीर्यवान्तरुम् ।
प्रोक्तं ते मेऽद्य यन्मया द्रष्टुं प्राप्नुवेत्यहम् ।
अथैषां विधानं शृणु मया प्रोक्तं हि तु त्वम् ।
अथैषां विधानं शृणु मया प्रोक्तं हि तु त्वम् ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring. It appears to be a single line of handwritten or printed script.]

[illegible][illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
काँश्चित्मायां सज्जनपुंगवः ॥ द्रुपदमुपासीत वीर्यवान्
द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
काँश्चित्मायां सज्जनपुंगवः ॥ द्रुपदमुपासीत वीर्यवान्
द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
काँश्चित्मायां सज्जनपुंगवः ॥ द्रुपदमुपासीत वीर्यवान्

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage to the original document. It appears to be a continuation of Sanskrit script.]

100
[Faint handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page. The text is mostly illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a list or a series of entries, possibly related to a historical or administrative document.]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

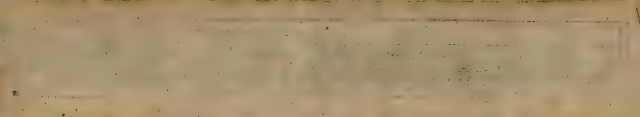
[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



~~Page 10 of 10~~

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जविरचिते श्रमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥

2007

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuous passage of Sanskrit or Indic script.)

120

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

पुस्तक संख्या १०७ पुस्तक नाम अथर्ववेद भाग २ अध्याय ३० सूक्त ३०
पुस्तक संख्या १०८ पुस्तक नाम अथर्ववेद भाग २ अध्याय ३० सूक्त ३०

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

ཐེབ་གྲངས་༤༠ནས་༤༤བར་ཆད།

missing page60-66ff

ཐེབ་གྲངས་༤༠ནས་༤༤བར་ཆད།

missing page60-66ff

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । पादौ धृत्यैव त्वं कुरुष्व युद्धम् । मेराजः प्रह्लाद उवाच । शूरो ह्यसि महाबाहो न विमर्शयामि ।

224

201

[illegible]

卷之四

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

51

1954

॥ अथ श्रीगणेशोत्थानम् ॥

1900

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

मन्त्रः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

इति श्रीमद्भगवद्गीतासूपनिषत्सु श्रीकृष्णार्जसंवादे श्रीभगवत्परोक्षोपाध्यायः समाप्तः ॥

[Faint, illegible handwritten text]

[Faint, illegible text from bleed-through]

[illegible]

॥ अथ श्रीमद्भगवत्पञ्चविंशोऽध्यायः ॥

॥ अथ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

५७१
 ५७२
 ५७३
 ५७४
 ५७५
 ५७६
 ५७७
 ५७८
 ५७९
 ५८०

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a multi-line manuscript entry.]

[illegible]

20

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

121

पञ्चमः

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to extreme blurring.]

201

1997

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

सुभाषचन्द्र बोस

1900-1901

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1943 年 10 月 1 日

12. The following table shows the number of people who attended the concert in each age group.

1994, 1995, 1996, 1997, 1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 26

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

2014年12月15日

2000

सद्वैद्यसंज्ञिभिरुपस्थापितः शिवसर्वोत्कर्षार्थं प्रयत्नः सदा सदा

॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥

2

संस्कृत-विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

पुस्तकालय संख्या: 123456789

[illegible]

1997年12月15日

[illegible]

THE UNIVERSITY OF CHICAGO PRESS

३३॥ अथोपनिषद्सूक्तम् ॥ ३३॥ अथोपनिषद्सूक्तम् ॥ ३३॥ अथोपनिषद्सूक्तम् ॥ ३३॥

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

१३

१३१

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of a historical document or manuscript.]

[illegible]

ॐ
ॐ
ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

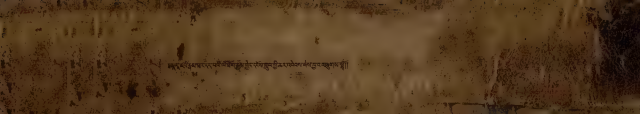
ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम् ॥ १ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम् ॥ २ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम् ॥ ३ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम् ॥ ४ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 दशरथ उवाच । धर्मं विनश्यत्तदा तदा
 कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ।
 महाबाहो श्रुत्वा हि महामतीम् ।
 पराजितान् पाण्डून् धीमतामपि ।
 अस्माकं सौम्यैश्चैव सहोदराग्रजैः ।
 वीरैश्चैव प्रभृतिभिर्बलवान्धमानैः ।
 पश्यन्निद्रां त्यक्त्वा त्वं द्रुपदमुदाहृत्य ।
 आचार्यं तनुजं हस्तं ध्यात्वा पुनरेव ।
 निद्रां त्यक्त्यारुरोह त्वं तत्र तदा ।
 आचार्यं प्रणम्य त्वं शिरसा बभूव ।
 तदा त्वं प्राज्ञं भूया इत्युवाच वीरवान् ।
 तदा सांख्यिकं वेदान्तं च श्रोतुं यथाशक्तम् ।
 तदा त्वं गच्छ त्वं गच्छ त्वं गच्छ त्वं गच्छ ।
 तदा त्वं गच्छ त्वं गच्छ त्वं गच्छ त्वं गच्छ ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page. The text is mostly illegible due to fading.)

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blurring and low contrast. It appears to be a dense Sanskrit manuscript page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

... ..

[illegible]

1. 2019年12月31日，公司应收账款账面余额为1,000,000.00元，坏账准备余额为100,000.00元。

(The following text is extremely faint and appears to be bleed-through from the reverse side of the page. It contains approximately 8 lines of handwritten Indic script.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blur and low contrast. It appears to be a dense Sanskrit manuscript page.)

[illegible]

[illegible]

[Faint handwritten Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from another page.]

[illegible]

| | | | |
|--------------|--------------------|--------------------|--------------------|
| [Marginalia] | [Main Text Line 1] | [Main Text Line 1] | [Main Text Line 1] |
| [Marginalia] | [Main Text Line 2] | [Main Text Line 2] | [Main Text Line 2] |
| [Marginalia] | [Main Text Line 3] | [Main Text Line 3] | [Main Text Line 3] |
| [Marginalia] | [Main Text Line 4] | [Main Text Line 4] | [Main Text Line 4] |
| [Marginalia] | [Main Text Line 5] | [Main Text Line 5] | [Main Text Line 5] |

[illegible]

1. The first part of the text discusses the importance of maintaining accurate records of all transactions, including sales, purchases, and expenses. It emphasizes that proper record-keeping is essential for determining the correct amount of tax liability.

2. The second part of the text describes the various methods used to calculate the tax liability, including the use of tax tables and the application of various deductions and credits. It also discusses the importance of understanding the different types of taxes, such as income tax, sales tax, and property tax.

3. The third part of the text discusses the various ways in which taxes can be paid, including through direct payment to the tax authority or through a third party, such as a tax collector or a tax agent. It also discusses the importance of understanding the different methods of payment, such as cash, check, or credit card.

4. The fourth part of the text discusses the various ways in which taxes can be avoided or reduced, including through the use of tax shelters, tax credits, and tax deductions. It also discusses the importance of understanding the different methods of tax avoidance or reduction, such as capital gains tax, estate tax, and gift tax.

5. The fifth part of the text discusses the various ways in which taxes can be enforced, including through the use of tax audits, tax liens, and tax seizures. It also discusses the importance of understanding the different methods of tax enforcement, such as the Internal Revenue Service (IRS) and the State Tax Authority.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to significant fading and bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of handwritten or printed script, possibly in Devanagari.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

पञ्चमः अध्यायः ।

[illegible][illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ श्रीकृष्णार्चनम् ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ श्रीकृष्णार्चनम् ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ श्रीकृष्णार्चनम् ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is highly faded and mostly illegible due to extreme blur and low contrast.)

991

[illegible]

आपण सुख सुख पावत आहोत, सुख सुख पावत आहोत, सुख सुख पावत आहोत । आपण सुख सुख पावत आहोत, सुख सुख पावत आहोत, सुख सुख पावत आहोत । आपण सुख सुख पावत आहोत, सुख सुख पावत आहोत, सुख सुख पावत आहोत । आपण सुख सुख पावत आहोत, सुख सुख पावत आहोत, सुख सुख पावत आहोत ।

[illegible][illegible][illegible]

पञ्चमः पर्वः ।

1. The first part of the text discusses the importance of maintaining accurate records of all transactions, including sales, purchases, and expenses. It emphasizes that proper record-keeping is essential for determining the correct amount of tax liability.

2. The second part of the text describes the various methods used to calculate the taxable income of an individual or entity. It mentions that the taxable income is determined by subtracting allowable deductions from the gross income.

3. The third part of the text explains the different types of taxes that are levied on income, including income tax, capital gains tax, and estate tax. It also discusses the various exemptions and credits that are available to taxpayers.

4. The fourth part of the text discusses the importance of filing tax returns on time and accurately. It mentions that failure to file or pay taxes on time can result in penalties and interest charges.

5. The fifth part of the text discusses the various ways in which taxpayers can reduce their tax liability, including through the use of deductions, credits, and tax planning strategies.

6. The sixth part of the text discusses the importance of seeking professional advice from a tax advisor or accountant to ensure that all tax obligations are properly met.

7. The seventh part of the text discusses the various ways in which the government collects taxes, including through withholding taxes, payroll taxes, and direct payments.

8. The eighth part of the text discusses the various ways in which taxpayers can appeal a tax assessment if they believe it is incorrect.

9. The ninth part of the text discusses the various ways in which taxpayers can avoid tax evasion and other illegal activities.

10. The tenth part of the text discusses the various ways in which taxpayers can stay up-to-date on the latest tax laws and regulations.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

[illegible]

152

[illegible]

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

91

1. Preparation of the sample 2. Measurement of the sample

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

समाप्तम् ।

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीशिवाय नमः ॥ श्रीब्रह्माय नमः ॥ श्रीविष्णवे नमः ॥ श्रीकृष्णे नमः ॥ श्रीनारायणे नमः ॥ श्रीरामाय नमः ॥ श्रीसुभाषिते नमः ॥

[illegible]

[illegible][illegible][illegible][illegible]

॥ अथ शिवस्य स्तुतिः ॥

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side of the page. It appears to contain several lines of Sanskrit script.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[The text in this block is extremely faded and illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is highly faded and largely illegible due to extreme blur and low contrast. It appears to be a continuous passage from a manuscript, possibly containing religious or historical content.)

(Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blurring. It appears to be a dense paragraph of handwritten script.]

[illegible]

(Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the Sanskrit manuscript.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[Faint handwritten Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to significant fading or bleed-through from another page.]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blur and low contrast. It appears to be a continuous passage of handwritten text in Devanagari script.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1. *Phragmites australis* (Cav.) Trin. ex Steud. (Common reed)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to low contrast and blurring. It appears to be a continuous passage of Sanskrit or Hindi script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



॥ अथ भद्रं कर्णेभिः शृणुयाम् भगवत्पादौ शिरसां ।

Figure 1. The effect of the concentration of the polymer on the gelation time.

— १११ —

● 2017年1月1日起，企业发生的职工教育经费支出，不超过工资薪金总额8%的部分，准予扣除；超过部分，准予在以后纳税年度结转扣除。

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जविरचिते महाभारत-
संहितायां द्रुपदविषयः ॥



[illegible]

1. *Phragmites australis* (Cav.) Trin. ex Steud.

[illegible]

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

संस्कृत-विश्वकोषादिकेन विज्ञेयः

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blur and low contrast. It appears to contain several lines of handwritten or printed script, possibly in Devanagari or a similar Indic script.)

Copyright © 2004 by John Wiley & Sons, Inc.

[illegible]

2000

404

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

॥ अथ श्रीमद्भगवत्पुनर्वचनम् ॥

पुस्तकालय संख्या : _____ । मार्गदर्शक :

सुभाषचन्द्र बोस १९४०-४१



མཚན་མཛན་པའི་ཕུག་ཀྱི་ལཱ་འདི་ལྟུང་། རྒྱ་མཐོང་གི་མཚན་མཛན་པའི་ཕུག་ཀྱི་ལཱ་འདི་ལྟུང་།

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

मदरा मदरा पुण्य विद्यायां नृणां प्रथमा पुनर्जन्तुनां सुखेति श्रुत्वा ।

सत्यमेव जयते

मनिपुल्ल भूदयः सुप्रसन्नो मन्त्रिर्देवाय नमः ।

विष्णुः पञ्चमहादेवः पञ्चमहादेवः पञ्चमहादेवः पञ्चमहादेवः पञ्चमहादेवः ।

विष्णुसहस्रनाम ॥ १००० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

संस्कृत-भाषायाः शब्दार्थ-संग्रहः ।

1. संस्कृत 2. संस्कृत 3. संस्कृत 4. संस्कृत 5. संस्कृत 6. संस्कृत 7. संस्कृत 8. संस्कृत 9. संस्कृत 10. संस्कृत

ॐ श्रीगणेशाय नमः ।

1. What is the main purpose of the study?

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

दुःखं यदस्ति नैव दुःखं । न यदस्ति नैव सुखं । न यदस्ति नैव सुखं । न यदस्ति नैव सुखं ।

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

[illegible]

विषय-सूची

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible][illegible]

संस्कृत-भाषायाः

[illegible]

महाराष्ट्र सरकार
महाराष्ट्र शासन

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly faded and largely illegible due to extreme blur and low contrast. It appears to be a continuation of Sanskrit or Hindi script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ।
मांकां पाहं पश्येथा खलतः शत्रुपङ्क्तयः ।
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिश्च वीर्यवान् ।
भीमार्जुनसमन्वितः पाण्डवसमन्वितः ।
द्रुपदश्चैव भीमश्च द्रुपदश्चैव ।
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिश्च वीर्यवान् ।
भीमार्जुनसमन्वितः पाण्डवसमन्वितः ।
द्रुपदश्चैव भीमश्च द्रुपदश्चैव ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2019年12月15日

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

2019年12月15日

पञ्चमः अङ्कः

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

१. अथर्ववेदः संहिता भागः १

OFFICE OF THE ATTORNEY GENERAL

॥ अथ यथाशक्ति यत्तु कुरु ॥ यत्तु कुरु ॥ यत्तु कुरु ॥

[illegible]

1

॥ अथ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[Faint handwritten text at the bottom of the page]

[illegible]

१. संस्कृत-संज्ञा-संग्रहः

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1870

... ..



1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 2679, 26

—

01-07

100

2

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a dense Sanskrit manuscript.)

[illegible]

(The text in this image is extremely faded and illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuous passage of handwritten Indic script.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[Faint, illegible handwritten text]

[illegible]

[Faint, illegible handwritten text]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The following text is highly faded and largely illegible due to extreme contrast and blurring.]

[illegible]

दशैः पदुः दशैः पदुः न भवतु । न भवतु पदुः न भवतु । न भवतु पदुः न भवतु । न भवतु पदुः न भवतु । न भवतु पदुः न भवतु ।
 केवलं यः विधिः पदुः न भवतु । न भवतु पदुः न भवतु । न भवतु पदुः न भवतु । न भवतु पदुः न भवतु । न भवतु पदुः न भवतु ।
 दशैः पदुः न भवतु । न भवतु पदुः न भवतु । न भवतु पदुः न भवतु । न भवतु पदुः न भवतु । न भवतु पदुः न भवतु ।
 न भवतु पदुः न भवतु । न भवतु पदुः न भवतु । न भवतु पदुः न भवतु । न भवतु पदुः न भवतु । न भवतु पदुः न भवतु ।
 न भवतु पदुः न भवतु । न भवतु पदुः न भवतु । न भवतु पदुः न भवतु । न भवतु पदुः न भवतु । न भवतु पदुः न भवतु ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side of the page. It appears to consist of several lines of handwritten script.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(Faint handwritten Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The image shows a page from an ancient manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is written in black ink on aged, yellowish paper. There are several lines of text, some of which are underlined or highlighted in red ink. The handwriting is cursive and typical of historical Indian manuscripts.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blurring.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[The text in this section is extremely faint and illegible due to fading.]

[illegible]

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

